

- ३ निम्नलिखित पंक्ति का पल्लवन कीजिए : १०
(१) हिंसा बुरी चीज है, पर दासता उस से भी बुरी है ।

अथवा

(२) भावना जीवन की हरियाली है, भावना विहीन जीवन मरुस्थल है ।

- ४ निम्नलिखित परिच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : १०

समय साथे तो आपणो संबंध विचित्र अने न समञ्ज शक्य अेवो छे. अमुक भाषासोने कायम समयनी भेंय रडे छे, ज्यारे भीजाने ते केम पसार करवो ते प्रश्न डोय छे. अमुकने समय भणतो नथी, ज्यारे अमुकने समय जतो नथी. समय पसार करवा तेओ प्रवास करे छे, पत्तां रमे छे, जात जातना नुसखा करे छे पश समय दर वपते भोंदुं झाडीने तेनी सामे ओभो ज डोय छे अेटवे प्रवास करीने तेओ वधु थाके छे.

- ५ निम्नलिखित परिच्छेद का शीर्षक देते हुए संक्षेपण कीजिए । १०

इस प्रकार हिन्दु-मुसलमान सिक्ख सभी धर्मों में एक ही प्रकार की उदारता है। तो फिर मनुष्य धर्म के नाम पर इतना उन्मत्त क्यों हो गया है ? असल बात यह है कि इन झगड़ों के कारण धर्म नहीं है, इनके मूल में स्वार्थ है । स्वार्थ-साधन के कारण ही यह सब दंगा-फसाद है । निकृष्ट स्वार्थ-साधक धर्म का अपने ही स्वार्थ के लिए व्यवहार करते हैं । उन्हीं स्वार्थ-साधक के कारण आज हिन्दुत्व भी विपन्न हो रहा है, इस्लाम भी नष्ट हो रहा है और सिक्ख धर्म भी आहत हो रहा है । ऐसे ही हीनकर्मों व्यक्तियोंने प्राचीन काल में धर्म के नाम पर ईसामसीह को फाँसी पर लटकाया था ।

- ६ पत्र लिखिए : १०

गौतम पटेल अपने मित्र जयंतकुमार को राष्ट्रभाषा हिन्दी का महत्त्व समझाते हुए पत्र लिख रहा है ।

अथवा

- ६ ग्रीष्म की छुट्टियों में आप की कॉलेज के छात्र उत्तर भारत के प्रवास में जा रहे हैं । पिताजी से पत्र लिखकर उसमें सम्मिलित होने की अनुमति मांगिए ।

- ७ (अ) किन्हीं चार शब्द के पर्याय शब्द लिखिए : ४
- (१) पत्नी
 - (२) सूर्य
 - (३) आकाश
 - (४) असुर
 - (५) पृथ्वी
 - (६) बिजली ।
- (आ) किन्हीं दो समश्रुत शब्द के अर्थ लिखिए : २
- (१) दीन-दिन
 - (२) संकर-शंकर
 - (३) कुल-कूल
 - (४) पानी-पानि ।
- (इ) किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए : ४
- (१) मेरा प्राण निकल रहा है ।
 - (२) गीता का आवाज मधुर है ।
 - (३) मैं मेरी पुस्तक पढता हूँ ।
 - (४) भारत में कई विशाल नदीया है ।
 - (५) ये फूलों में गुलाब नहीं है ।
 - (६) उसने भाषण दिया ।
-